

7145 करोड़ से बनेगा कानपुर-कबरई ग्रीनफील्ड हाईवे

संवरेगा बुंदेलखंड : केंद्रीय कैबिनेट ने दी मंजूरी, कानपुर से कबरई के बीच यात्रा समय साढ़े तीन घंटे से घटकर डेढ़ घंटे रह जाएगा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-34 के कानपुर-कबरई खंड (महोबा) को चार/छह लेन का प्रवेश नियंत्रित ग्रीनफील्ड हाईवे बनाया जाएगा। केंद्रीय कैबिनेट ने 7,145 करोड़ रुपये की लागत से 117.7 किलोमीटर लंबे हाईवे के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दी। यह भोपाल-कानपुर आर्थिक गलियारे का अहम हिस्सा है। इसके बनने के बाद कानपुर से कबरई के बीच यात्रा समय साढ़े तीन घंटे से घटकर करीब डेढ़ घंटे रह जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी)



कैबिनेट फैसलों की जानकारी देते
केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव। एजेसी

उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

यह परियोजना उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच सड़क संपर्क को नई मजबूती देगी। इससे कानपुर और कबरई के बीच बिना रुकावट, तेज रफ्तार कनेक्टिविटी मिलेगी। साथ ही, सागर, भोपाल और मध्य प्रदेश के अन्य इलाकों के लिए भी कनेक्टिविटी बेहतर होगी। प्रस्तावित कॉरिडोर को एनएच-34, एनएच-35, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, कानपुर रिंग रोड और कई राज्य राजमार्गों से जोड़ा जाएगा।

मॉडल के तहत बनने वाली यह परियोजना बुंदेलखंड और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक विकास, निवेश, लॉजिस्टिक्स और आर्थिक

गतिविधियों को नई रफ्तार देगी। क्षेत्रीय संपर्क मजबूत होने से व्यापार व पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने

16 आर्थिक केंद्र व 9 पर्यटन स्थलों को मिलेगा फायदा यह कॉरिडोर 16 प्रमुख आर्थिक केंद्रों को जोड़ेगा। इनमें उन्नाव, बंथर, पंखी, रनिया, जैनपुर, रुमा, चकेरी, सुमेरपुर व भूरागढ़ औद्योगिक क्षेत्र, ट्रांस गंगा इंटीग्रेटेड टाउनशिप, ग्रोथ सेंटर जयपुर, कानपुर नगर नोड शामिल हैं।

■ कानपुर जूलॉजिकल पार्क, बुद्धा पार्क, जेके मंदिर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, गोपेश्वर मंदिर व फतेहपुर व महोबा के प्रमुख पर्यटन स्थलों सहित 9 सामाजिक एवं पर्यटन केंद्रों तक पहुंच आसान होगी।

दिल्ली : द्वारका को वसंत कुंज से जोड़ेगी सुरंग

दिल्ली में द्वारका एक्सप्रेसवे को वसंत कुंज स्थित नेल्सन मंडेला मार्ग से जोड़ने के लिए छह लेन की सुरंग बनाई जाएगी। इसके निर्माण पर 6,969.67 करोड़ रुपये की लागत आएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने 8.1 किमी लंबी इस परियोजना को मंजूरी दी। >> पेज 5

बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग (ओ) कार्यक्रम के तहत इस कॉरिडोर को 80 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के अनुसार डिजाइन किया गया

है। इससे सड़क सुरक्षा बेहतर होगी। वाहन संचालन लागत घटेगी। परियोजना से करीब 1.2 करोड़ मानव-दिवस रोजगार पैदा होगा। ब्यूरो